।।शीलं परं भूषणम् ।।

श्री आचार्यरत्न देशभूषण शिक्षण प्रसारक मंडल, कोल्हापुर

महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर (स्वशासी)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर से संलग्न

(बी.ए.और बी.ए.बी.एड.)

हिंदी विभाग

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टिम के लिए पाठ्यक्रम
New Education Policy- 2020 (नई शिक्षा नीति–2020)

वर्ष 2025- 26 से लागू

तृतीय वर्ष कला
तथा
तृतीय और चतुर्थ वर्ष बी. ए. बी. एड

प्रस्तुति

अध्यक्ष,
हिंदी विभाग,
महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर (स्वशासी)

।।शीलं परं भूषणम् ।।

श्री आचार्यरत्न देशभूषण शिक्षण प्रसारक मंडल, कोल्हापुर

महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर (स्वशासी)

(बी.ए.और बी.ए.बी.एड.)

तृतीय वर्ष **(सेमिस्टर- V)**

MAJOR पेपर-VII विशेष विधा का अध्ययन (नाटक)

पाठ्यपुस्तक: अजय शुक्ला- ताजमहल का टेंडर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

श्रेयांक- 04 , तासिकाएँ- 60

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नयी दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या CBCS और NEP के आलोक में किया गया है

- **उद्देश्य- Course Objectives:**
    1. छात्रों को अजय शुक्ला जी के जीवन परिचय एवं कृतित्त्व से परिचित कराना ।
    2. छात्रों को नाटक के तत्त्वों की जानकारी देना।
    3. छात्रों को ताजमहल का टेंडर नाटक के आशय से अवगत कराना ।
    4. छात्रों को ताजमहल का टेंडर नाटक की रंगमंचीयता से परिचित कराना।
    5. छात्रों में नाट्य समीक्षा के मानकों की समझ विकसित करना ।
- **अध्ययन निष्पत्ति- Course Outcomes**
    1. छात्र अजय शुक्ला के व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व से परिचित होंगे।
    2. छात्र नाटक के तत्त्वों की जानकारी रखने में सक्षम होंगे।
    3. छात्र ‘ताजमहल का टेंडर’ नाटक के आशय को समझेंगे।
    4. छात्र नाट्य समीक्षा के तत्त्वों के आधार पर ‘ताजमहल का टेंडर’ नाटक की समीक्षा करने में सक्षम होंगे।
    5. छात्र नाटक में चित्रित समस्याओं को समझकर वर्तमान समस्याओं के साथ उसकी तुलना करेंगे।
- **अध्यापन पद्धति- Teachlng Methods**
    1. व्याख्यान तथा विश्लेषण
    2. दृक्- श्राव्य माध्यमों का प्रयोग
    3. नाट्य प्रस्तुति या मंचन
    4. सेमिनार
- **विषय पाठ्यक्रम/ Course Syllabi**
  मोड्यूल Module– I

    1.1 अजय शुक्ला: जीवन परिचय

    1.2 अजय शुक्ला: कृतित्त्व

    1.3 नाटककार अजय शुक्ला

मोड्यूल Module- II

2.1 ‘ताजमहल का टेंडर’ नाटक की कथावस्तु

मोड्यूल Module- III

3.1 ‘ताजमहल का टेंडर’ नाटक के पात्र

3.2 ‘ताजमहल का टेंडर’ नाटक के संवाद

3.3 ‘ताजमहल का टेंडर’ में अभिनेयता

मोड्यूल Module- IV

4.1 ‘ताजमहल का टेंडर’ नाटक का उद्देश्य

4.2 ‘ताजमहल का टेंडर’ नाटक की भाषा शैली

4.3 ‘ताजमहल का टेंडर’ नाटक के शीर्षक की सार्थकता

संदर्भ ग्रंथ / Books for Reference:

1. बच्चन सिंह, हिंदी नाटक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. दशरथ ओझा, हिंदी नाटक उद्भव और विकास, राजपाल एंड सन्स, नयी दिल्ली
3. दशरथ ओझा, आज का हिंदी नाटक: प्रगति और प्रभाव, राजपाल एंड सन्स, नयी दिल्ली
4. शेखर धुंगरवाल, नाटककार सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर
5. कालीचरण स्नेही, सर्वेश्वर और उनक साहित्य, नवभारत प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. लवकुमार लवलीन, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना और उनकी नाट्य साधना, अनुरोध प्रकाशन, नयी दिल्ली

पाठ्यक्रम मूल्यांकन की योजना /Scheme of Course Evaluation:

अंतिम सत्र परीक्षा- 40

निरंतर अंतर्गत मूल्यांकन- 10

कुल 50

I) प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन /Question Paper Pattern (40 Marks) :		
प्रश्नक्र.	**प्रश्न का स्वरूपNature / Type of Question**	**अंक Marks**
1.	पूरे पाठ्यक्रम पर 10 बहुविकल्पी प्रश्न।	10
2.	पूरे पाठ्यक्रम पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (3 में से 2)	10
3.	इकाई 2 तथा 3 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
4.	इकाई 1 तथा 4 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
कुल अंक / Total Marks		40

H) अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन के लिए सुझाई गई तकनीकें /Suggested techniques for Continuous Internal Evaluation(10 Marks) :		
1.	सेमिनार / Seminar	05
2.	मौखिकी / Oral / Vocal Viva	05
कुल अंक / Total Marks		10

महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर (स्वशासी)

(बी.ए.और बी.ए.बी.एड.)

तृतीय वर्ष **(सेमिस्टर- V)**

MAJOR पेपर-VIII साहित्यशास्त्र/ काव्यशास्त्र

श्रेयांक- 04 , तासिकाएँ- 60

- **उद्देश्य Course Objectives :**

  1. छात्रों को साहित्य सृजन की रचना प्रक्रिया का बोध कराना।
  2. साहित्य की नई विधाओं से परिचित कराना।
  3. साहित्य के समीक्षा सिद्धांतों से परिचित कराना।
  4. काव्य के तत्व,प्रेरणा और प्रयोजन से अवगत कराना।
  5. रस सिद्धांत और अलंकारों अंग तथा प्रकारों से परिचित कराना।

- **अध्ययन निष्पत्ति: Course Outcomes**
  1. छात्र साहित्य सृजन की रचना प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
  2. छात्र साहित्य की नयी विधाओं के उद्भव और विकास को समझेंगे।
  3. छात्र काव्य के तत्त्व, प्रेरणा, प्रयोजनों समझ सकेंगे।
  4. छात्र समीक्षा के सिद्धांतों को समझकर उसी आधार पर काव्य, नाटक, उपन्यास की समीक्षा करने में सक्षम होंगे।
  5. छात्र व्याकरण की जानकारी रखते हैं तथा उसका उपयोग करने में सक्षम होंगे।

- **अध्यापन पद्धति-**
  1. व्याख्यान तथा विश्लेषण
  2. दृक्- श्राव्य माध्यमों का प्रयोग
  3. सेमिनार
  4. गुट चर्चा

विषय पाठ्यक्रम/ Course Syllabi :

मोड्यूल Module -I

1.1 काव्य/साहित्य की परिभाषा एवं स्वरूप
1. 2 काव्य/साहित्य के प्रयोजन
1. 3 काव्य/साहित्य के तत्व

मोड्यूल Module – II

2.1 शब्द शक्ति का स्वरूप
2.2 शब्द शक्ति का सामान्य परिचय
2.3 शब्द शक्ति के भेद (अभिधा, लक्षणा और व्यंजना)

मोड्यूल Module –III

3.1 रस : स्वरूप, परिभाषा
3.2 रस के अंग
3.3 रस के भेद

मोड्यूल Module – IV

4.1 अलंकार : स्वरूप
4.2 अलंकार : शब्दालंकार (अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति और यमक)
4.3 अलंकार : अर्थालंकार (उपमा, रूपक, दृष्टांत और अतिशयोक्ति)

संदर्भ ग्रंथ / Books for Reference :

1. भागीरथ मिश्र, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. डॉ. गोविंद त्रिगुणायक, शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली
3. डॉ. नगेन्द्र, भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा, नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
4. योगेन्द्र प्रताप सिंह, भारतीय काव्यशास्त्र की रूपरेखा, श्यामा प्रकाशन संस्थान, इलाहबाद
5. रामचंद्र तिवारी, भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. डॉ. बच्चन सिंह, हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

पाठ्यक्रम मूल्यांकन की योजना /Scheme of Course Evaluation:

अंतिम सत्र परीक्षा- 40
निरंतर अंतर्गत मूल्यांकन- 10
कुल 50

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन /Question Paper Pattern (40 Marks) :		
प्रश्नक्र.	**प्रश्न का स्वरूप Nature / Type of Questlon**	**अंक Marks**
1.	पूरे पाठ्यक्रम पर 10 बहुविकल्पी प्रश्न	10
2.	इकाई – 2 तथा 4 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
3.	इकाई –1 तथा 3 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
4.	इकाई – 2 और 4 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
कुल अंक / Total Marks		40

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन के लिए सुझाई गई तकनीकें /Suggested techniques for Continuous internal Evaluation(10 Marks) :		
1.	सेमिनार / Seminar	05
2.	मौखिकी / Oral / Vocal Viva	05
कुल अंक / Total Marks		10

महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर (स्वशासी)

(बी.ए.और बी.ए.बी.एड.)

तृतीय वर्ष **(सेमिस्टर- V)**

MAJOR पेपर-IX हिंदी साहित्य का इतिहास

श्रेयांक- 04 , तासिकाएँ- 60

- **उद्देश्य Course Objectives**
  1. छात्रों को हिंदी भाषा तथा साहित्य की विकास यात्रा से अवगत कराना ।
  2. छात्रों को साहित्य के कालविभाजन तथा नामकरण की कसौटियों से परिचित कराना ।
  3. छात्रों को युगीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में साहित्य के विकास को अवगत कराना ।
  4. छात्रों को साहित्य की विविध प्रवृतियों को समझने में मदद करना ।
  5. छात्रों में साहित्यकार तथा उनकी रचनाओं को समझने तथा उसका मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित करना ।
- **अध्ययन निष्पत्ति: Course Outcomes**
  1. छात्र हिंदी भाषा तथा साहित्य की विकास यात्रा को समझेंगे।
  2. छात्र युगीन परिवेश के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य के विकास को समझने में सक्षम होंगे।
  3. छात्र साहित्य की विविध प्रवृत्तियों को समझकर उसका विश्लेषण करेंगे।
  4. छात्र सहियिक रचना का मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।
- **अध्यापन पद्धति-**
  1. व्याख्यान तथा विश्लेषण
  2. दृक्- श्राव्य माध्यमों का प्रयोग
  3. सेमिनार
- **विषय पाठ्यक्रम/ Course Syllabi :**

मोड्यूल Module -I आदिकाल-।

1.2 आदिकाल का नामकरण

1.2 आदिकाल की प्रवृत्तियाँ

1.3 रासो साहित्य का सामान्य परिचय

मोड्यूल Module – II आदिकाल-।।

2.1 प्रतिनिधिक रचनाएँ / रचनाकार : पृथ्वीराज रासो

2.2 बीसलदेव रासो

2.3 अमीर खुसरो

मोड्यूल Module –III भक्तिकाल (निर्गुण भक्ति धारा)

3.1 निर्गुण भक्तिधारा : स्वरूप एवं सामान्य विशेषताएँ

3.2 कबीर: जीवन परिचय और कृतित्व

3.3 जायसी: जीवन परिचय और कृतित्व

मोड्यूल Module – IV भक्तिकाल (सगुण भक्ति धारा)

4.1 सगुण भक्तिधारा : स्वरूप एवं सामान्य विशेषताएँ
4.2 सूरदास: जीवन परिचय और कृतित्व
4.3 तुलसीदास: जीवन परिचय और कृतित्व

संदर्भ ग्रंथ / Books for Reference :

1. आ. रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. डॉ. नगेंद्र हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पब्लिकेशन, नयी दिल्ली
3. डॉ. बच्चन सिंह हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी हिंदी साहित्य की भूमिका , हिंदी ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय, मुंबई
5. डॉ. शिवकुमार शर्मा हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ, अशोक प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. गणपतिचंद्र गुप्त हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली

पाठ्यक्रम मूल्यांकन की योजना /Scheme of Course Evaluation:

अंतिम सत्र परीक्षा- 40
निरंतर अंतर्गत मूल्यांकन- 10
कुल 50

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन /Question Paper Pattern (40 Marks) :		
प्रश्नक्र.	**प्रश्न का स्वरूपNature / Type of Question**	**अंक Marks**
1.	पूरे पाठ्यक्रम पर 10 बहुविकल्पी प्रश्न	10
2.	इकाई – 1 तथा 4 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
3.	इकाई –2 तथा 3 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
4.	इकाई – 1 और 4 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
कुल अंक / Total Marks		40

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन के लिए सुझाई गई तकनीकें /Suggested techniques for Continuous internal Evaluation(10 Marks) :		
1.	सेमिनार / Seminar	05
2.	मौखिकी / Oral / Vocal Viva	05
कुल अंक / Total Marks		10

महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर (स्वशासी)

(बी.ए.और बी.ए.बी.एड.)

तृतीय वर्ष **(सेमिस्टर- V)**

MAJOR ELECTIVE पेपर-X (A) प्रयोजनमूलक हिंदी

श्रेयांक- 04 , तासिकाएँ- 60

- **उद्देश्य Course Objectives :**

1. छात्रों को हिंदी के प्रयोजनमूलक रूप से परिचित कराना।
2. छात्रों को पारिभाषिक शब्दावली के महत्त्व एवं उपयोगिता से अवगत कराना ।
3. छात्रों को सरकारी पत्राचार के स्वरूप की जानकारी देना ।
4. छात्रों में जनसंचार माध्यम लेखन की क्षमता विकसित करना ।
5. छात्रों को ब्लॉग लेखन या निर्माण का प्रशिक्षण देना ।
6. छात्रों को रोजगार के क्षेत्रों की जानकारी देना।

- **अध्ययन निष्पत्ति: Course Outcomes**

1. छात्र हिंदी के प्रयोजनमूलक रूप से परिचित होंगे।
2. छात्र पारिभाषिक शब्दावली के महत्त्व एवं उपयोगिता को समझ सकेंगे।
3. छात्र रोजगार के क्षेत्रों की जानकारी पाकर उसके लिए आवश्यक कौशल्यों को आत्मसात करने का प्रयास करेंगे।
4. छात्र जनसंचार माध्यम लेखन की क्षमता विकसित करने में सक्षम होंगे।
5. छात्र सरकारी पत्राचार को समझकर उसका लेखन करने में सक्षम होंगे।

- **अध्यापन पद्धति-**

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण
2. दृक्- श्राव्य माध्यमों का प्रयोग
3. सेमिनार

- **विषय पाठ्यक्रम/ Course Syllabi :**

मोड्यूल Module -I पारिभाषिक शब्दावली

1.1 पारिभाषिक शब्दावली: सामान्य परिचय

1.2 शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया

1.3 शिक्षा और सम्मेलन से संबंधित शब्द (20)

1.4 जनसंचार माध्यम से संबंधित शब्द (20)

मोड्यूल Module – II सरकारी कार्यालयीन पत्राचार

2.1 कार्यालय आदेश

2.2 कार्यालय ज्ञापन

2.3 परिपत्र

2.4 अनुस्मारक पत्र

मोड्यूल Module –III सृजनात्मक लेखन

3.1 साक्षात्कार लेखन

3.2 डायरी लेखन

3.3 फीचर लेखन

3.4 समाचार लेखन

मोड्यूल Module – IV वृत्तांत लेखन

4.1 महाविद्यालयीन समारोह का वृतांत लेखन

4.2 सामाजिक समारोह का वृतांत लेखन

4.3 प्राकृतिक आपदाओं का वृतांत लेखन

4.4 दूर्घटनाओं का वृत्तांत लेखन

संदर्भ ग्रंथ / Books for Reference

1. जनसंचार और पत्रकारिता : विविध आयाम – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
2. मीडिया कालीन हिंदी : स्वरूप और संभावनाएँ – डॉ. अर्जुन चव्हाण
3. प्रयोजन्मूलक हिंदी की नई भूमिका – डॉ. कैलाशनाथ पांडेय
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य – डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी
5. हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर – प्रा.विकास पाटील

पाठ्यक्रम मूल्यांकन की योजना /Scheme of Course Evaluation:

अंतिम सत्र परीक्षा- 40

निरंतर अंतर्गत मूल्यांकन- 10

कुल 50

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन /Questlon Paper Pattern (40 Marks) :		
प्रश्नक्र.	**प्रश्न का स्वरूपNature / Type of Questlon**	**अंक Marks**
1.	इकाई 1 पारिभाषिक शब्दावली 10 प्रश्न	10
2.	इकाई – 2 पर लघुत्तरी प्रश्न - (3 में से 2)	10
3.	इकाई – 3 तथा 4 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
4.	इकाई – 3 तथा 4 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
कुल अंक / Total Marks		40

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन के लिए सुझाई गई तकनीकें /Suggested techniques for Continuous Internal Evaluation(10 Marks) :		
1.	सेमिनार / Seminar	05
2.	मौखिकी / Oral / Vocal Viva	05
कुल अंक / Total Marks		10

महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर (स्वशासी)

(बी.ए.और बी.ए.बी.एड.)

तृतीय वर्ष **(सेमिस्टर- V)**

MAJOR ELECTIVE पेपर-X (B) भाषा विज्ञान

श्रेयांक- 04 , तासिकाएँ- 60

- **उद्देश्य Course Objectives**
  1. छात्रों को भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय कराना।
  2. हिंदी भाषा एवं लिपि के उद्भव और विकास का परिचय कराना।
  3. भाषा विज्ञान के विविध रूपों से परिचित कराना।
  4. भाषा उत्पत्ति के कारण एवं दिशाओं की जानकारी देना।
  5. छात्रों में भाषा शुद्धता के प्रति जाग्रति पैदा करना।
  6. मानक हिंदी वर्तनी और व्याकरण से छात्रों को परिचित कराना।
- **अध्ययन निष्पत्ति: Course Outcomes**
  1. छात्र भाषा के उद्भव और विकास से परिचित होंगे।
  2. छात्र भाषा उत्पत्ति संबंधी विविध वादों या सिद्धांतों की जानकारी पाएंगे।
  3. छात्र भाषा शुद्धता के प्रति जाग्रत होकर अपने बोलने तथा लिखने में मानक भाषा का प्रयोग कर सकेंगे।
  4. छात्र भाषा के तकनीकी विकास की जानकारी रखकर व्यवहार में उसके प्रयोग करने सबंधी प्रयास करेंगे।
- **अध्यापन पद्धति-**
  1. व्याख्यान तथा विश्लेषण
  2. दृक्- श्राव्य माध्यमों का प्रयोग
  3. सेमिनार
- **विषय पाठ्यक्रम/ Course Syllabi :**

मोड्यूल Module -I

1.1 भाषा की परिभाषाएँ

1.2 भाषा की विशेषताएँ

1.3 भाषा व्युत्पत्ति संबंधी विविध सिद्धांत / वाद: (दैवी, धातु, अनुकरण, मनोभावाभिव्यक्ति सिद्धांत)

मोड्यूल Module – II

2.1 भाषा परिवर्तनशीलता के कारण

2.2 बोलियों के बनने के कारण

2.3 बोली और भाषा में अंतर

मोड्यूल Module –III

3.1 हिंदी भाषा का उद्भव और विकास

3.2 भाषा के विविध रूप: (राजभाषा, संपर्क भाषा तथा विश्व भाषा)

3.3 हिंदी शब्द समूह: सामान्य परिचय

मोड्यूल Module – IV

4.1 लिपि विकास का सामान्य परिचय
4.2 देवनागरी लिपि का विकास
4.3 देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता

संदर्भ ग्रंथ / Books for Reference :

1. डॉ. भोलानाथ तिवारी, भाषा विज्ञान, किताब महल प्रकाशन, कानपुर
2. डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा, भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. डॉ. लक्ष्मीनारायण शर्मा , भाषा विज्ञान के तत्व, डिजिटल लायब्रेरी इंडिया
4. डॉ. सुधीर कलावडे, भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा ,
5. डॉ. द्वारका प्रसाद सक्सेना, भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा
6. डॉ. हरदान हर्ष, हिंदी भाषा : व्याकरण, लिपि विज्ञान

पाठ्यक्रम मूल्यांकन की योजना /Scheme of Course Evaluation:

अंतिम सत्र परीक्षा- 40
निरंतर अंतर्गत मूल्यांकन- 10
कुल 50

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन /Questlon Paper Pattern (40 Marks) :		
प्रश्नक्र.	**प्रश्न का स्वरूपNature / Type of Questlon**	**अंक Marks**
1.	पूरे पाठ्यक्रम पर 10 बहुविकल्पी प्रश्न ।	10
2.	इकाई – 3 तथा 4 पर लघुत्तरी प्रश्न - (3 में से 2)	10
3.	इकाई –1 तथा 2 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न - (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
4.	इकाई – 3 तथा 4 पर टिप्पणियाँ - (3 में से 2)	10
कुल अंक / Total Marks		40

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन के लिए सुझाई गई तकनीकें /Suggested techniques for Continuous Internal Evaluation(10 Marks) :		
1.	सेमिनार / Seminar	05
2.	मौखिकी / Oral / Vocal Viva	05
कुल अंक / Total Marks		10

महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर (स्वशासी)

(बी.ए.और बी.ए.बी.एड.)

तृतीय वर्ष **(सेमिस्टर- V)**

MINOR पेपर-V विशेष विधा का अध्ययन (नाटक)

(पाठ्यपुस्तक- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना- बकरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)

श्रेयांक- 04 , तासिकाएँ- 60

- **उद्देश्य- Course Objectives :**
  1. छात्रों को सर्वेश्वरदयाल सक्सेना के जीवन परिचय एवं कृतित्त्व से परिचित कराना ।
  2. छात्रों को नाटक के तत्त्वों की जानकारी देना।
  3. छात्रों को बकरी नाटक के आशय से अवगत कराना ।
  4. छात्रों को नाटक की प्रासंगिकता को समझाना।
  5. छात्रों में नाट्य समीक्षा के मानकों की समझ विकसित करना ।

- **अध्ययन निष्पत्ति: Course Outcomes**
  1. छात्र सर्वेश्वरदयाल सक्सेना के व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व से परिचित होंगे।
  2. छात्र नाटक के तत्त्वों की जानकारी रखने में सक्षम होंगे।
  3. छात्र ‘बकरी’ नाटक के आशय को समझेंगे।
  4. छात्र नाट्य समीक्षा के तत्त्वों के आधार पर ‘बकरी’ नाटक की समीक्षा करने में सक्षम होंगे।
  5. छात्र नाटक में चित्रित समस्याओं को समझकर वर्तमान समस्याओं के साथ उसकी तुलना करेंगे।

- **अध्यापन पद्धति-**
  1. व्याख्यान तथा विश्लेषण
  2. दृक्- श्राव्य माध्यमों का प्रयोग
  3. नाट्य प्रस्तुति या मंचन
  4. सेमिनार

- **विषय पाठ्यक्रम/ Course Syllabi**

मोड्यूल Module- I

1.1 सर्वेश्वरदयाल सक्सेना: जीवन परिचय

1.2 सर्वेश्वरदयाल सक्सेना: कृतित्त्व

1.3 नाटककार सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

मोड्यूल Module- II

2.1 ‘बकरी’ नाटक की कथावस्तु

मोड्यूल Module- III

3.1 ‘बकरी’ नाटक के पात्र

3.2 ‘बकरी’ नाटक के संवाद

3.3 ‘बकरी’ नाटक का देशकाल वातावरण

मोड्यूल Module- IV

4.1 ‘बकरी’ नाटक का उद्देश्य

4.2 ‘बकरी’ नाटक की भाषा

4.3 ‘बकरी’ नाटक के शीर्षक की सार्थकता

संदर्भ ग्रंथ / Books for Reference:

1. बच्चन सिंह, हिंदी नाटक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. दशरथ ओझा, हिंदी नाटक उद्भव और विकास, राजपाल एंड सन्स, नयी दिल्ली
3. दशरथ ओझा, आज का हिंदी नाटक: प्रगति और प्रभाव, राजपाल एंड सन्स, नयी दिल्ली
4. शेखर धुंगरवाल, नाटककार सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर
5. कालीचरण स्नेही, सर्वेश्वर और उनक साहित्य, नवभारत प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. लवकुमार लवलीन, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना और उनकी नाट्य साधना, अनुरोध प्रकाशन, नयी दिल्ली

पाठ्यक्रम मूल्यांकन की योजना /Scheme of Course Evaluation:

अंतिम सत्र परीक्षा- 40
निरंतर अंतर्गत मूल्यांकन- 10
कुल 50

I) प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन /Question Paper Pattern (40 Marks) :		
प्रश्नक्र.	**प्रश्न का स्वरूपNature / Type of Question**	**अंक Marks**
1.	पूरे पाठ्यक्रम पर 10 बहुविकल्पी प्रश्न।	10
2.	पूरे पाठ्यक्रम पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (3 में से 2)	10
3.	इकाई 2 तथा 3 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
4.	इकाई 1 तथा 4 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
कुल अंक / Total Marks		40

H) अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन के लिए सुझाई गई तकनीकें /Suggested techniques for Continuous Internal Evaluation(10 Marks) :		
1.	सेमिनार / Seminar	05
2.	मौखिकी / Oral / Vocal Viva	05
कुल अंक / Total Marks		10

महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर (स्वशासी)

(बी.ए.और बी.ए.बी.एड.)

तृतीय वर्ष **(सेमिस्टर- V)**

क्षेत्र परियोजना (Field Project)

श्रेयांक- 02 , तासिकाएँ- 30

उद्देश्य Course Objectives:

1. छात्रों को अनुसंधान की जानकारी देना।
2. छात्रों को अनुसंधान के सोपानों के प्रति अवगत कराना।
3. छात्रों में अनुसंधान की प्रवृत्ति विकसित करने का प्रयास करना।
4. छात्रों को अनुसंधान के सोपानों की जानकारी देना।
5. छात्रों को आलेख लेखन की पद्धति की जानकारी देना।
6. छात्रों को शोध पद्धतियों की जानकारी देना।

विषय पाठ्यक्रम/ Course Syllabi

मोड्यूलModule - I

क्षेत्र परियोजना **(Field Project)** का विषय चयन (विषय सूचि, रुपरेखा और कार्यपुस्तिका संलग्न है।)

मोड्यूलModule- II

क्षेत्र परियोजना **(Field Project)** में प्रयुक्त अध्ययन पद्धतियाँ

मोड्यूलModule - III

सामग्री संकलन और विश्लेषण

मोड्यूलModule- IV

परियोजना लेखन

पाठ्यक्रम मूल्यांकन की योजना /Scheme of Course Evaluation: कुल 50 अंक

- फील्ड प्रोजेक्ट 40 अंक
- साक्षात्कार 10 अंक

महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर (स्वशासी)

(बी.ए.और बी.ए.बी.एड.)

तृतीय वर्ष **(सेमिस्टर- VI)**

MAJOR पेपर-XI विधा विशेष का अध्ययन (उपन्यास)

(पाठ्यपुस्तक- पाँव तले की दूब- संजीव, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली)

श्रेयांक- 04 , तासिकाएँ- 60

- **उद्देश्य- Course Objectives:**
  1. छात्रों को संजीव के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व से परिचित कराना ।
  2. छात्रों को उपन्यास के तत्त्वों की जानकारी देना।
  3. छात्रों को ‘पाँव तले की दूब’ उपन्यास के आशय से अवगत कराना ।
  4. छात्रों को उपन्यास की प्रासंगिकता को समझाना।
  5. छात्रों में उपन्यास समीक्षा के मानकों की समझ विकसित करना ।
- **अध्ययन निष्पत्ति: Course Outcomes**
  1. छात्र संजीव के व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व से परिचित होंगे।
  2. छात्र उपन्यास के तत्त्वों की जानकारी रखने में सक्षम होंगे।
  3. छात्र ‘पाँव तले की दूब’ उपन्यास के आशय को समझेंगे।
  4. छात्र उपन्यास समीक्षा के तत्त्वों के आधार पर ‘पाँव तले की दूब’ उपन्यास की समीक्षा करने में सक्षम होंगे।
  5. छात्र उपन्यास में चित्रित समस्याओं को समझकर वर्तमान समस्याओं के साथ उसकी तुलना करेंगे।

- **विषय पाठ्यक्रम/ Course Syllabi**

  मोड्यूल Module -I

  1.1 संजीव का जीवन परिचय
  1.2 संजीव का कृतित्त्व
  1.3 उपन्यासकार संजीव

  मोड्यूल Module- II

  2.1 ‘पाँव तले की दूब’ उपन्यास की कथावस्तु

  मोड्यूल Module- III

  3.1 ‘पाँव तले की दूब’ उपन्यास के पात्र
  3.2 ‘पाँव तले की दूब’ उपन्यास के संवाद
  3.3 ‘पाँव तले की दूब’ उपन्यास का देशकाल वातावरण

  मोड्यूल Module- IV

  4.1 ‘पाँव तले की दूब’ उपन्यास का उद्देश्य
  4.2 ‘पाँव तले की दूब’ उपन्यास की भाषा
  4.3 ‘पाँव तले की दूब’ उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता

संदर्भ ग्रंथ / Books for Reference:

1. नरेंद्र कोहली, हिंदी उपन्यास: सृजन और सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. गोपाल राय, हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजपाल एंड सन्स, नयी दिल्ली
3. संपा. नीरू अग्रवाल, भूमंडलीकरण और हिंदी उपन्यास, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. गिरीश काशिद, कथाकार संजीव, रुचिका प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कालीचरण स्नेही, सर्वेश्वर और उनक साहित्य, नवभारत प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. विजय बहादुर सिंह, उपन्यास समय और संवेदना,वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

पाठ्यक्रम मूल्यांकन की योजना /Scheme of Course Evaluation:

अंतिम सत्र परीक्षा- 40
निरंतर अंतर्गत मूल्यांकन- 10
कुल 50

I) प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन /Question Paper Pattern (40 Marks) :

प्रश्नक्र.	**प्रश्न का स्वरूपNature / Type of Question**	**अंक Marks**
1.	पूरे पाठ्यक्रम पर 10 बहुविकल्पी प्रश्न।	10
2.	पूरे पाठ्यक्रम पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (3 में से 2)	10
3.	इकाई 2 तथा 3 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
4.	इकाई 1 तथा 4 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
कुल अंक / Total Marks		40

H) अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन के लिए सुझाई गई तकनीकें /Suggested techniques for Continous Internal Evaluation(10 Marks) :

1.	सेमिनार / Seminar	05
2.	मौखिकी / Oral / Vocal Viva	05
कुल अंक / Total Marks		10

महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर (स्वशासी)

(बी.ए.और बी.ए.बी.एड.)

तृतीय वर्ष **(सेमिस्टर- VI)**

MAJOR पेपर-XII साहित्यशास्त्र/ काव्यशास्त्र

श्रेयांक- 04 , तासिकाएँ- 60

उद्देश्य Course Objectives

1. छात्रों को काव्य/ साहित्य सृजन की रचना प्रक्रिया का बोध कराना।
2. छात्रों को काव्य/ साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना कराना।
3. छात्रों को काव्य/ साहित्य तत्वों से अवगत कराना।
4. छात्रों में साहित्य समीक्षा की दृष्टि विकसित करना।
5. छात्रों को आलोचना के मानक समझाना।
6. छात्रों को छंद के अंग तथा प्रकारों से परिचित कराना।

अध्ययन निष्पत्ति: Course Outcomes

1. छात्र साहित्य सृजन की रचना प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
2. छात्र साहित्य की नयी विधाओं के उद्भव और विकास को समझेंगे।
3. छात्र काव्य के तत्त्व, प्रेरणा, प्रयोजनों समझ सकेंगे।
4. छात्र समीक्षा के सिद्धांतों को समझकर उसी आधार पर काव्य, नाटक, उपन्यास की समीक्षा करने में सक्षम होंगे।
5. छात्र व्याकरण की जानकारी रखते हैं तथा उसका उपयोग करने में सक्षम होंगे।

अध्यापन पद्धति-

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण
2. दृक्- श्राव्य माध्यमों का प्रयोग
3. सेमिनार
4. गुट चर्चा

विषय पाठ्यक्रम/ Course Syllabi :

मोड्यूल Module -। काव्य विधा

1.3 महाकाव्य : स्वरूप एवं भारतीय तत्व
1.2 प्रगीत: स्वरूप, तत्व और भेद
1.3 गज़ल: स्वरूप एवं अंग

मोड्यूल Module – ।। गद्य विधा

2.1 उपन्यास : स्वरूप, परिभाषा एवं तत्व
2.2 एकांकी : स्वरूप, परिभाषा एवं तत्व
2.3 निबंध: स्वरूप, परिभाषा एवं तत्व

मोड्यूल Module –III छंद

3.1 छंद : स्वरूप

3.2 मात्रिक छंद (चोपाई, दोहा, तोमर और सोरठा)

3.3 वर्णिक छंद (वसंततिलका, मालिनी, शिखरिणी, मंदाक्रांता)

मोड्यूल Module – IV आलोचना

4.1 आलोचना : स्वरूप, परिभाषा

4.2 आलोचना के प्रकार (व्याख्यात्मक, तुलनात्मक, मनोवैज्ञानिक, ऐतिहासिक)

4.3 आलोचक के गुण

संदर्भ ग्रंथ / Books for Reference :

1. भागीरथ मिश्र, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. डॉ. गोविंद त्रिगुणायक, शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली
3. डॉ. नगेन्द्र, भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा, नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
4. योगेन्द्र प्रताप सिंह, भारतीय काव्यशास्त्र की रूपरेखा, श्यामा प्रकाशन संस्थान, इलाहबाद
5. रामचंद्र तिवारी, भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. डॉ. बच्चन सिंह, हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

पाठ्यक्रम मूल्यांकन की योजना /Scheme of Course Evaluation:

अंतिम सत्र परीक्षा- 40
निरंतर अंतर्गत मूल्यांकन- 10
कुल 50

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन /Question Paper Pattern (40 Marks) :		
प्रश्नक्र.	**प्रश्न का स्वरूपNature / Type of Question**	**अंक Marks**
1.	पूरे पाठ्यक्रम पर 10 बहुविकल्पी प्रश्न	10
2.	इकाई – 2 तथा 4 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
3.	इकाई –1 तथा 3 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
4.	इकाई – 2 और 4 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
कुल अंक / Total Marks		40

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन के लिए सुझाई गई तकनीकें /Suggested techniques for Continuous internal Evaluation(10 Marks) :		
1.	सेमिनार / Seminar	05
2.	मौखिकी / Oral / Vocal Viva	05
कुल अंक / Total Marks		10

महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर (स्वशासी)

(बी.ए.और बी.ए.बी.एड.)

तृतीय वर्ष **(सेमिस्टर- VI)**

MAJOR पेपर-XIII हिंदी साहित्य का इतिहास

श्रेयांक- 04 , तासिकाएँ- 60

- **उद्देश्य Course Objectives :**
  1. छात्रों को आधुनिक काल की पृष्टभूमि से परिचित कराना।
  2. छात्रों को आधुनिक काल की साहित्यिक विधाओं के विकास से अवगत कराना।
  3. छात्रों को आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
  4. छात्रों को आधुनिक काल की गद्य विधाओं के विकास को समझाना।
  5. छात्रों में साहित्य के इतिहास के प्रति रूचि निर्माण करना।
  6. छात्रों की साहित्यिक समझ को विकसित करना।

- **अध्ययन निष्पत्ति: Course Outcomes**
  1. छात्र आधुनिक काल की पृष्ठभूमि को समझेंगे।
  2. छात्र आधुनिक काल की साहित्यिक विधाओं के विकास को समझने में सक्षम होंगे।
  3. छात्र साहित्य की विविध प्रवृत्तियों को समझकर उसका विश्लेषण करेंगे।
  4. छात्र साहित्य इतिहास के लेखन की दृष्टि को आत्मसात करेंगे।

- **अध्यापन पद्धति-**
  1. व्याख्यान तथा विश्लेषण
  2. दृक्- श्राव्य माध्यमों का प्रयोग
  3. सेमिनार
  4. गुट चर्चा

विषय पाठ्यक्रम/ Course Syllabi :

मोड्यूल Module -I रीतिकाल

1.1रीतिकाल : नामकरण

1.2 रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ

1.3 प्रतिनिधि कवि: केशवदास, बिहारीदास, भूषण

मोड्यूल Module - II आधुनिक काल का प्रारंभ

2.1 आधुनिक काल की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियाँ

2.2 भारतेंदु हरिश्चंद्र युग

2.3 आ. महावीरप्रसाद द्विवेदी युग

मोड्यूल Module –III काव्य प्रवृत्तियाँ

3.1 छायावाद : परिचय और प्रवृत्तियाँ

3.2 प्रगतिवाद: परिचय और प्रवृत्तियाँ

3.3 प्रतिनिधि कवि: निराला, अज्ञेय

मोड्यूल Module – IV गद्य विधाओं का विकास

4.1 हिंदी उपन्यास का उदभव और विकास

4.2 हिंदी नाटक का उदभव और विकास

4.3 नाटककार मोहन राकेश, धर्मवीर भारती

संदर्भ ग्रंथ / Books for Reference :

1. आ. रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. डॉ. नगेंद्र हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पब्लिकेशन, नयी दिल्ली
3. डॉ. बच्चन सिंह हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी हिंदी साहित्य की भूमिका , हिंदी ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय, मुंबई
5. डॉ. शिवकुमार शर्मा हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ, अशोक प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. गणपतिचंद्र गुप्त हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली

पाठ्यक्रम मूल्यांकन की योजना /Scheme of Course Evaluation:

अंतिम सत्र परीक्षा-	**40**
निरंतर अंतर्गत मूल्यांकन-	**10**
कुल	**50**

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन /QuestIon Paper Pattern (40 Marks) :		
प्रश्नक्र.	**प्रश्न का स्वरूपNature / Type of QuestIon**	**अंक Marks**
1.	पूरे पाठ्यक्रम पर 10 बहुविकल्पी प्रश्न	10
2.	इकाई – 1 तथा 4 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
3.	इकाई –2 तथा 3 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
4.	इकाई – 1 और 4 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
कुल अंक / Total Marks		40

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन के लिए सुझाई गई तकनीकें /Suggested techniques for Continuous internal Evaluation(10 Marks) :		
1.	सेमिनार / Seminar	05
2.	मौखिकी / Oral / Vocal Viva	05
कुल अंक / Total Marks		10

महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर (स्वशासी)

(बी.ए.और बी.ए.बी.एड.)

तृतीय वर्ष **(सेमिस्टर- VI)**

MAJOR ELECTIVE पेपर-XIV (A)प्रयोजनमूलक हिंदी

श्रेयांक- 04 , तासिकाएँ- 60

उद्देश्य Course Objectives :

1. छात्रों को पारिभाषिक शब्दावली से परिचित कराना ।
2. छात्रों को सरकारी पत्राचार के स्वरूप से अवगत कराना ।
3. छात्रों को जनसंचार माध्यमों के प्रयोग तथा उपयोगिता को समझाना ।
4. छात्रों को इलेक्ट्रोनिक्स माध्यमों की उपयोगिता से अवगत कराना।
5. छात्रों में हिंदी के प्रायोगिक पक्ष की उपयोगिता समझाना।

- **अध्ययन निष्पत्ति: Course Outcomes**

1. छात्र पारिभाषिक शबदावली से परिचित होंगे।
2. छात्र सरकारी पत्राचार की उपयोगिता को समझ सकेंगे।
3. छात्र जनसंचार माध्यमों के प्रयोग तथा उपयोगिता को जान सकेंगे।
4. छात्र जनसंचार माध्यम लेखन की क्षमता विकसित करने में सक्षम होंगे।
5. छात्र सरकारी पत्राचार को समझकर उसका लेखन करने में सक्षम होंगे।

अध्यापन पद्धति-

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण
2. दृक्- श्राव्य माध्यमों का प्रयोग
3. सेमिनार
4. गुट चर्चा

विषय पाठ्यक्रम/ Course Syllabi

मोड्यूल Module -। वाक्यांश

1.1 पारिभाषिक शब्दावली : विशेषताएँ

1.2 पारिभाषिक शब्दावली: (वाक्यांश तथा पदनाम) : सामान्य परिचय

1.3 दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त अंग्रेजी वाक्यांशों तथा पदनामों के पर्यायवाची रूप (परिशिष्ट में दिए हुए ‘अ’ तथा ‘ब’ विभाग के 40 वाक्यांश)

मोड्यूल Module – ।। व्यावसायिक पत्राचार

2.1 पूछताछ पत्र

2.2 क्रयादेश पत्र

2.3 शिकायती पत्र

मोड्यूल Module –III सोशल मीडिया का सामान्य परिचय

3.1 व्हाट्स ॲप

3.2 फेसबुक

3.3 इंटाग्राम तथा ट्विटर

मोड्यूल Module – IV इलेक्ट्रोनिक माध्यमों का सामान्य परिचय

4.1 दूरदर्शन

4.2 इंटरनेट

4.3 विडिओ कोन्फेरंस तथा यूट्यूब

संदर्भ ग्रंथ / Books for Reference

1. जनसंचार और पत्रकारिता : विविध आयाम – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
2. मीडिया कालीन हिंदी : स्वरूप और संभावनाएँ – डॉ. अर्जुन चव्हाण
3. प्रयोजन्मूलक हिंदी की नई भूमिका – डॉ. कैलाशनाथ पांडेय
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य – डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी
5. हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर – प्रा.विकास पाटील

पाठ्यक्रम मूल्यांकन की योजना /Scheme of Course Evaluation:

अंतिम सत्र परीक्षा- 40
निरंतर अंतर्गत मूल्यांकन- 10
कुल 50

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन /Question Paper Pattern (40 Marks) :		
प्रश्नक्र.	**प्रश्न का स्वरूपNature / Type of Question**	**अंक Marks**
1.	इकाई 1 पारिभाषिक शब्दावली 10 प्रश्न	10
2.	इकाई – 2 पर लघुत्तरी प्रश्न - (3 में से 2)	10
3.	इकाई – 3 तथा 4 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
4.	इकाई – 3 तथा 4 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
कुल अंक / Total Marks		40

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन के लिए सुझाई गई तकनीकें /Suggested techniques for Continuous Internal Evaluation(10 Marks) :		
1.	सेमिनार / Seminar	05
2.	मौखिकी / Oral / Vocal Viva	05
कुल अंक / Total Marks		10

महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर (स्वशासी)

(बी.ए.और बी.ए.बी.एड.)

तृतीय वर्ष **(सेमिस्टर- VI)**

MAJOR ELECTIVE पेपर-XIV (B) भाषा विज्ञान

श्रेयांक- 04 , तासिकाएँ- 60

उद्देश्यCourse Objectives:

1. छात्रों को भाषाविज्ञान भाषा के विविध रूपों का परिचय कराना।
2. छात्रों को भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय कराना।
3. छात्रों को हिंदी भाषा एवं लिपि के उद्भव और विकास का परिचय कराना।
4. छात्रों में भाषा की शुद्धता के प्रति जाग्रति पैदा करना ।
5. छात्रों में हिंदी के मानक रूप में कार्य करने की क्षमता विकसित करना ।

- **अध्ययन निष्पत्ति: Course Outcomes**
  1. छात्र भाषाविज्ञान के विविध रूपों से परिचित होंगे।
  2. छात्र भाषा एवं लिपि के उद्भव और विकास की जानकारी पाएंगे।
  3. छात्र भाषा शुद्धता के प्रति जाग्रत होकर अपने बोलने तथा लिखने में मानक भाषा का प्रयोग कर सकेंगे।
  4. छात्र भाषा के तकनीकी विकास की जानकारी रखकर व्यवहार में उसके प्रयोग करने सबंधी प्रयास करेंगे।

अध्यापन पद्धति-

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण
2. दृक्- श्राव्य माध्यमों का प्रयोग
3. सेमिनार
4. गुट चर्चा

विषय पाठ्यक्रम/ Course Syllabi

मोड्यूलModule -I

1.1 भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ

1.2 भाषा विज्ञान के अध्ययन का महत्त्व / उपयोगिता

1.3 भाषा विज्ञान की वैज्ञानिकता

मोड्यूलModule-II

2.1 भाषा विज्ञान के प्रधान अंगों का परिचय

2.2 ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, शब्द विज्ञान

2.3वाक्य विज्ञान और अर्थ विज्ञान

मोड्यूलModule –III

3.1 भाषा विज्ञान का अन्य ज्ञान – विज्ञान से संबंध

3.2भाषा विज्ञान और साहित्य, भाषा विज्ञान और व्याकरण, भाषा विज्ञान और समाज विज्ञान

3.3भाषा विज्ञान और मनोविज्ञान तथा भाषा विज्ञान और इतिहास

मोड्यूलModule–IV

4.1 वाक्य के प्रकार (रचना और भाव की दृष्टि से)
4.2 पदक्रम के सामान्य नियम
4.3 मानक वर्तनी के नियम

संदर्भ ग्रंथ / Books for Reference :

1. डॉ. भोलानाथ तिवारी, भाषा विज्ञान, किताब महल प्रकाशन, कानपुर
2. डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा, भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. डॉ. लक्ष्मीनारायण शर्मा , भाषा विज्ञान के तत्व, डिजिटल लायब्रेरी इंडिया
4. डॉ. सुधीर कलावडे, भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा ,
5. डॉ. द्वारका प्रसाद सक्सेना, भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा
6. डॉ. हरदान हर्ष, हिंदी भाषा : व्याकरण, लिपि विज्ञान

पाठ्यक्रम मूल्यांकन की योजना /Scheme of Course Evaluation:

अंतिम सत्र परीक्षा-	**40**
निरंतर अंतर्गत मूल्यांकन-	**10**
कुल	**50**

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन /Question Paper Pattern (40 Marks) :		
प्रश्नक्र.	**प्रश्न का स्वरूपNature / Type of Question**	**अंक Marks**
1.	पूरे पाठ्यक्रम पर 10 बहुविकल्पी प्रश्न।	10
2.	इकाई – 3 तथा 4 पर लघुत्तरी प्रश्न - (3 में से 2)	10
3.	इकाई –1 तथा 2 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न - (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
4.	इकाई – 3 तथा 4 पर टिप्पणियाँ - (3 में से 2)	10
कुल अंक / Total Marks		40

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन के लिए सुझाई गई तकनीकें /Suggested techniques for Continuous Internal Evaluation(10 Marks) :		
1.	सेमिनार / Seminar	05
2.	मौखिकी / Oral / Vocal Viva	05
कुल अंक / Total Marks		10

महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर (स्वशासी)

(बी.ए.और बी.ए.बी.एड.)

तृतीय वर्ष **(सेमिस्टर- VI)**

MINOR पेपर-VI विशेष रचना का अध्ययन(उपन्यास)

(पाठ्यक्रम- ममता कालिया- दौड़, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

श्रेयांक- 04 , तासिकाएँ- 60

- **उद्देश्य- Course Objectives :**
  1. छात्रों को ममता कालिया जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व से परिचित कराना ।
  2. छात्रों को उपन्यास के तत्त्वों की जानकारी देना।
  3. छात्रों को दौड़ उपन्यास के आशय से अवगत कराना ।
  4. छात्रों को उपन्यास की प्रासंगिकता को समझाना।
  5. छात्रों में उपन्यास समीक्षा के मानकों की समझ विकसित करना ।
- **अध्ययन निष्पत्ति: Course Outcomes**
  1. छात्र ममता कालिया के व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व से परिचित होंगे।
  2. छात्र उपन्यास के तत्त्वों की जानकारी रखने में सक्षम होंगे।
  3. छात्र 'दौड़' उपन्यास के आशय को समझेंगे।
  4. छात्र उपन्यास समीक्षा के तत्त्वों के आधार पर 'दौड़' उपन्यास की समीक्षा करने में सक्षम होंगे।
  5. छात्र उपन्यास में चित्रित समस्याओं को समझकर वर्तमान समस्याओं के साथ उसकी तुलना करेंगे।

- **अध्यापन पद्धति-**
  1. व्याख्यान तथा विश्लेषण
  2. दृक्- श्राव्य माध्यमों का प्रयोग
  3. नाट्य प्रस्तुति या मंचन
  4. सेमिनार
- **विषय पाठ्यक्रम/ Course Syllabi**

मोड्यूल Module– I

1.1 ममता कालिया: जीवन परिचय

1.2 ममता कालिया: कृतित्त्व

1.3 नाटककार ममता कालिया

मोड्यूल Module-II

2.1 'दौड़' उपन्यास की कथावस्तु

मोड्यूल Module-III

3.1 'दौड़' उपन्यास के पात्र

3.2 'दौड़' उपन्यास के संवाद

3.3 'दौड़' उपन्यास का देशकाल वातावरण

मोड्यूल Module-IV

4.1 'दौड़' उपन्यास का उद्देश्य
4.2 'दौड़' उपन्यास की भाषा
4.3 'दौड़' उपन्यास का शीर्षक

संदर्भ ग्रंथ / Books for Reference:

1. नरेंद्र कोहली, हिंदी उपन्यास: सृजन और सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. गोपाल राय, हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजपाल एंड सन्स, नयी दिल्ली
3. संपा. नीरू अग्रवाल, भूमंडलीकरण और हिंदी उपन्यास, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. गिरीश काशिद, कथाकार संजीव, रुचिका प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कालीचरण स्नेही, सर्वेश्वर और उनक साहित्य, नवभारत प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. विजय बहादुर सिंह, उपन्यास समय और संवेदना,वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

पाठ्यक्रम मूल्यांकन की योजना /Scheme of Course Evaluation:

अंतिम सत्र परीक्षा- 40
निरंतर अंतर्गत मूल्यांकन- 10
कुल 50

I) प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन /Question Paper Pattern (40 Marks) :

प्रश्नक्र.	प्रश्न का स्वरूपNature / Type of Question	अंक Marks
1.	पूरे पाठ्यक्रम पर 10 बहुविकल्पी प्रश्न।	10
2.	पूरे पाठ्यक्रम पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (3 में से 2)	10
3.	इकाई 2 तथा 3 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
4.	इकाई 1 तथा 4 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
कुल अंक / Total Marks		40

H) अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन के लिए सुझाई गई तकनीकें /Suggested techniques for Continous Internal Evaluation(10 Marks) :

1.	सेमिनार / Seminar	05
2.	मौखिकी / Oral / Vocal Viva	05
कुल अंक / Total Marks		10

महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर (स्वशासी)

(बी.ए.और बी.ए.बी.एड.)

तृतीय वर्ष **(सेमिस्टर- VI)**

कार्य स्थल पर प्रशिक्षा (On Job Training) (OJT)

श्रेयांक- 02 , तासिकाएँ- 30

उद्देश्यCourse Objectives :

1. छात्रों को रोजगार की दृष्टि से प्रशिक्षण देना।
2. छात्रों को विविध कार्यालयों में प्रत्यक्ष कार्य करने का अवसर प्रदान करना।
3. छात्रों में रोजगार की संभावनाओं के प्रति जाग्रति पैदा करना।
4. छात्रों को रोजगार के विविध क्षेत्रों की जानकारी देना ।

विषय पाठ्यक्रम/ Course Syllabi

छात्रों को विविध क्षेत्र जैसे- समाचार पात्र का कार्यालय, आकाशवाणी, बैंक, बिमा और पाठशालाओं में हिंदी भाषा के माध्यम से कार्य करने का अवसर पैदा करना।

पाठ्यक्रम मूल्यांकन की योजना /Scheme of Course Evaluation:

छात्र निर्देशित कार्यालय या पाठशाला से कार्य पूर्ति का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करते हैं।